हिंदी प्रचार समिति

(स्थापना : ई.स. 1946)

अध्यक्ष : सरदार वल्लभभाई पटेल

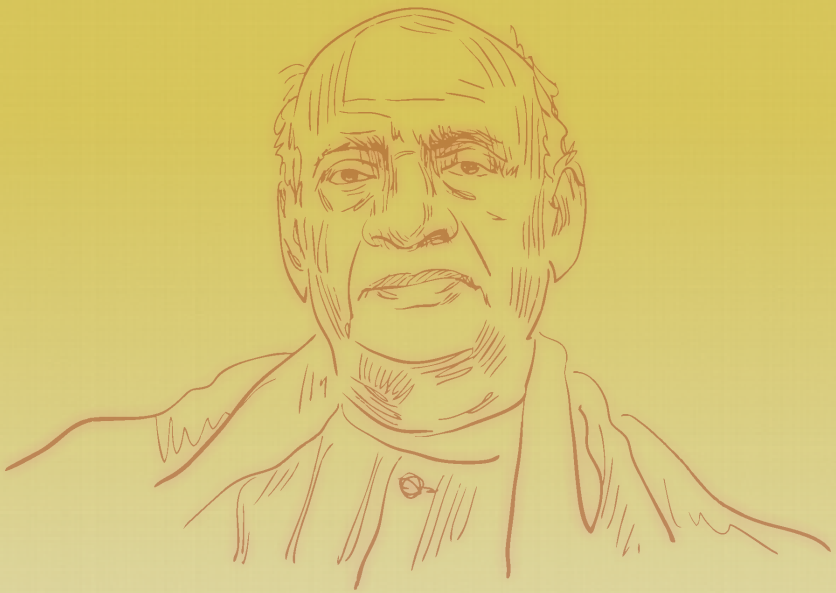

गूजरात विद्यापीठ

हिंदी प्रचार समिति, आश्रम मार्ग, अहमदाबाद - 380 009

Phone: +91-79 40016200 | **Email:** info@gujaratvidyapith.org | **Website:** www.gujaratvidyapith.org

@gvp1920

कार्यक्षेत्र : समस्त गुजरात राज्य

हिन्दी प्रचार समिति का प्रारंभ

आचार्य काका साहब कालेलकर और अमृतलाल नाणावटी ने 1944 में विद्यापीठ की सहायता से हिन्दी प्रचार का श्रीगणेश किया। 1946 में कुलनायक श्री सरदार वल्लभभाई पटेल, गूजरात विद्यापीठ की अध्यक्षता में जो समिति बनी उसका नाम रखा "गुजरात हिन्दी प्रचार समिति" और हिन्दी प्रचार कार्य का प्रारंभ हुआ। ई.स. हिंदुस्तानी की व्याख्या- हिंदी उर्दू के मुताबिक गुजरात में दोनों लिपियों, नागरी और उर्दू वाली हिंदुस्तानी राष्ट्रभाषा का प्रचार शुरू हुआ। यह कार्य दो साल चला और साल में करीब पाँच हजार लोगों ने इस कार्य में हिस्सा लिया।

हिन्दी प्रचार समिति का उद्देश्य

गुजरात प्रदेश में हिन्दुस्तानी प्रचार का कार्य, गूजरात विद्यापीठ के ध्येयों में लिखा है कि विद्यापीठ के पाठ्यक्रम में हिन्दी-हिन्दुस्तानी का शिक्षण अनिवार्य होगा। इस तरह विद्यापीठ के ध्येयों को ध्यान में रखकर गूजरात विद्यापीठ में हिन्दी-हिन्दुस्तानी का प्रचारकार्य करना। विद्यापीठ के पाठ्यक्रम में हिन्दी-हिन्दुस्तानी का शिक्षण अनिवार्य रहा। विशेषतः हिन्दुस्तानी से तात्पर्य है उत्तर के हिन्दु और मुसलमान बहुमत द्वारा सामान्य रूप से बोली एवं देवनागरी या फारसी लिपि में लिखी जानेवाली भाषा। संविधान के द्वारा 14 सितम्बर 1949 को राजभाषा के रूप में नागरीलिपि में लिखी हिन्दी को मान्यता मिल जाने पर 1950 में हिन्दी प्रचार समिति ने भी संविधान के आदेश अनुसार अपनी हिन्दी प्रचार शाखाओं में उर्दू लिपि को अनिवार्य नही रक्खा।

हिन्दी प्रचार समिति की प्रवृतियाँ

सन् 1946 में गूजरात विद्यापीठ ने गूजरात हिंदी हिंदुस्तानी प्रचार समिति के नाम से गूजरात में राष्ट्रभाषा हिंदुस्तानी का प्रचार करने हेतु एक उप समिति बनाई। तब से लेकर आज तक उसका कार्य विविध अंगों में जैसे कि हिंदी, गुजराती एवं गांधी तथा गीता का प्रचारकार्य आदि प्रचार कार्य अच्छी तरह से सारे गुजरात में चल रहा है। 1920 में महात्मा गांधी ने विद्यापीठ की स्थापना की तब से ही विद्यापीठ के पाठ्यक्रम में हिन्दुस्तानी लाझमी विषय के रूप में पढ़ाया जाता है। विद्यापीठ की परीक्षाएँ क्रमानुसार हिन्दी तीसरी, हिन्दी विनीत और हिन्दी सेवक को एस.एस.सी., इन्टर और बी.ए. हिंदी स्तर के लिए स्थाई मान्यता भारत सरकार की तरफ से प्राप्त है। (1) हिन्दी की अलग-अलग छह परीक्षाओं का आयोजन (2) नागरिक गांधीजी के जीवनकार्य को समझे और अपने जीवन में कुछ बोध ले इस हेतु के लिये सन् १९६८ से शुरू की हैं। गांधी विचार-प्रचार के लिए कक्षा छठवीं से स्नातकोत्तर स्तर के छात्रों के लिए गांधी विचार की सात परीक्षाओं का आयोजन (3) बिन गुजराती के लिए गुजराती की पाँच परीक्षाओं का आयोजन (4) गीता भारतीय जीवन की एक अनुपम देन है। भारतीय लोग गीता को समझें, उसके श्लोकों को कंठस्थ करें इस हेतु संस्कृत या गुजराती में गीता के तीन अध्यायों का परीक्षाओं के जरिये गीता प्रचार गूजरात विद्यापीठ, अहमदाबाद तथा गीता प्रतिष्ठान

मुंबई (महाराष्ट्र) प्रेरित गीता जयंती माघ सुद अकादशी के शुभ अवसर पर गीता पठन परीक्षा का आयोजन (5) भाषा का प्रचार एवं गुजराती वर्तनी सुधार लेखन वांचन प्रचार-प्रसार कार्य (6) हिंदी एवं प्रादेशिक भाषाओं में आदान-प्रदान (7) लेखन एवं वक्तृत्व स्पर्धाएँ। (8) सारे गुजरात में 60 से अधिक हिंदी सेवक प्रचारक वर्ग चलाकर हजारों प्रचारक तैयार किये गए। (9) यह सारा प्रचार कार्य विविध एजेंसियों के जरिये सुचारु ढंग से रहा। हिंदी परीक्षाओं के आँकडे आज तक (2025) की कुल परीक्षार्थी संख्या: 85,20,224 हिंदी बालपोथी, पहली, दूसरी, तीसरी, विनीत, सेवक एवं हिंदी सेवक विशेष। बालपोथी से हिंदी विनीत-साल में दो बार सितंबर तथा फरवरी 2024-25 से साल में चार परीक्षा लेने का शुरू किया गया। इस तरह हिन्दी-हिन्दुस्तानी का प्रचारकार्य, गूजरात विद्यापीठ की शिक्षा में हिन्दी-हिन्दुस्तानी का अनिवार्य शिक्षणकार्य, मातृभाषा गुजराती का प्रचार कार्य और गांधी विचार का प्रचारकार्य इत्यादि। सेवक विशेष और बाद में समाजविद्या विशारद (हिन्दी साहित्य-स्वाध्याय) 2006 से स्थगित है। हिन्दी सेवक प्रचारक वर्ग जारी रक्खा। यू.जी.सी के सुझावों को मद्देनजर रखते हुए इस परीक्षा के पाठ्यक्रम में थोड़ा बहुत परिवर्तन हुआ है।

1. हिंदी की परीक्षाएँ

क्रम	परीक्षा	प्रवेश योग्यता	परीक्षा शुल्क
1.	हिंदी बालपोथी	कक्षा 6 – 7 के छात्र	100
2.	हिंदी पहली	कक्षा 7 के छात्र	200
3.	हिंदी दूसरी	कक्षा 8-9-10 के छात्र	300
4.	हिंदी तीसरी	हिंदी दूसरी/एस.एस.सी पास	500
5.	हिंदी विनीत	हिंदी तीसरी/एच.एच.सी/पी.टी.सी/स्नातक फोटो	1000
6.	हिंदी सेवक	हिंदी विनीत(अनिवार्य)/एच.एच.सी/पी.टी.सी/स्नातक	1000

2. गुजराती परीक्षा

क्रम	परीक्षा	प्रवेश योग्यता	परीक्षा शुल्क
1.	गुजराती बालपोथी	कक्षा-5	100
2.	गुजराती प्राथमिक	कक्षा-6	200
3.	गुजराती सुबोध	कक्षा-7	300
4.	गुजराती प्रबोध	कक्षा-8 एवं 9	500
5.	गुजराती विनय	कक्षा-10	750

3. गांधी विचार प्रचार परीक्षा

क्रम	परीक्षा	प्रवेश योग्यता	परीक्षा शुल्क
1	गांधी जीवन झाखी	कक्षा 5 और- 6	100
2	गांधी जीवन स्मृति	कक्षा- 7	100
3	गांधी विचार प्रवेश	कक्षा- 8	200
4	गांधी विचार परिचय	कक्षा- 9	200
5	गांधी विचार चिंतन	कक्षा-11	250
6	गांधी विचार मनन	स्नातक/पी.टी.सी.	500
7	गांधी विचार मीमांसा	अनुस्नातक	1000

हिंदी परीक्षाओं की पाठ्यपुस्तकें

1. हिंदी बालपोथी

विद्यापीठ हिंदी बाल पाठावली भाग-१

कविता मुखपाठ : (1) प्यारे बापू (2) गुडिया रानी

इसके अलावा एक से पचास तक की गिनती देवनागरी लिपि में शब्दो में और हिंदी अक्षरों में लिखना आना चाहिए।

2. हिंदी पहली

(1) विद्यापीठ हिंदी बाल पाठावली भाग-२

(2) विद्यापीठ हिंदी बाल कहानियाँ

(3) विद्यापीठ हिंदी व्याकरण भाग-१

कविता मुखपाठ : 1.भारत प्यारा देश हमारा, 2. चूहे की दिल्ली यात्रा 3. तितली

3. हिंदी दूसरी

(1) विद्यापीठ हिंदी पाठावली भाग-1

(2) विद्यापीठ हिंदी कहानी संग्रह भाग-1

(3) विद्यापीठ बाल एकांकी

(4) विद्यापीठ हिंदी व्याकरण भाग-1

कविता मुखपाठ: 1. तब याद तुम्हारी आती है 2. प्रभुजी तुम चंदन हम पानी 3. हार नहीं होती

4. हिंदी तीसरी

प्र.प.1 (1) हिंदी पाठावली चौथी किताब (गद्य विभाग)

(2) संक्षिप्त आत्मकथा गांधीजी – (संक्षेपकार – भारतन कुमारप्पा)

प्र.प.2 (1) हिंदी पाठावली चौथी किताब (पद्य विभाग)

(2) हिंदी एकांकी संग्रह भाग-१

प्र.प.3 (1) हिंदी व्याकरण प्रवेश

(2) हिंदी रचना और निबंध भाग-१

(3) भूल-सुधार

मौखिक : गद्य पद्य मुखपाठ पाठ्य पुस्तकों में से पचास काव्य पंक्तियों तथा गद्य की दस पंक्तियों का मुखपाठ करना है।

5. हिंदी विनीत

प्र.प.1 (1) हिंदी गद्य-पद्य संग्रह (हिंदी पाठावली-पाँचवी किताब)

(2) गंगामैया (उपन्यास) – भैरवप्रसाद गुप्त

(3) हिंदी कहानी संग्रह भाग-४

प्र.प.2 (1) हिंदी गद्य-पद्य संग्रह (हिंदी पाठावली-पाँचवी किताब)

(2) शबरी – नरेश मेहता

प्र.प.3 (1) हिंदी एकांकी संग्रह भाग-२

(2) कुहासा और किरण – विष्णु प्रभाकर

प्र.प.4 (1) विद्यापीठ हिंदी व्याकरण भाग-२

(2) हिंदी रचना और निबंध भाग-२

(3) भूल-सुधार

मौखिक : गद्य-पद्य मुखपाठ पाठ्यपुस्तकों में से पचास काव्य पंक्तियाँ तथा गद्य की दस पंक्तियों का मुखपाठ करना हैं।

5. हिंदी सेवक

प्र.पत्र. 1 आधुनिक हिंदी गद्य

(1) गद्यसंग्रह – (आवृत्ति १९९२ की) नवजीवन प्रकाशन मंदिर, अहमदाबाद-३८०००९

(2) निबंध संग्रह – (१९७७ की आवृत्ति) नवजीवन प्रकाशन मंदिर, अहमदाबाद-३८०००९

(3) चित्रलेखा – भगवतीचरण वर्मा, भारती भंडार लीडर प्रेस, इलाहाबाद (उ.प्र)

(4) आषाढ का एक दिन – मोहन राकेश, राजपाल एण्ड सन्स, कश्मीरी गेट, दिल्ली

प्र.पत्र. 2 हिंदी पद्य

(1) प्राचीन हिंदी कविता – नवजीवन प्रकाशन मंदिर, अहमदाबाद-३८०००९

(2) आधुनिक हिंदी कविता – (आवृत्ति १९९४ की)

नवजीवन प्रकाशन मंदिर, अहमदाबाद-३८०००९

(3) यशोधरा –मैथिलीशरण गुप्त – साहित्य सदन, चिरगाँव, झाँसी (म.प्र)

(4) चुपकी दाद–अल्ताफहुसेन हाली (नागरी में)

संपादक: गिरिराज किशोर-नवजीवन प्रकाशन मंदिर, अहमदाबाद-३८०००९

प्र.पत्र. 3 हिंदी भाषा तथा साहित्य समीक्षा (१०० अंक)

हिंदी भाषा का इतिहास : (४० अंक)

(1) आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का वर्गीकरण

(2) हिंदी भाषा तथा बोलियाँ

(3) हिंदी भाषा का विकास

(4) देवनागरी लिपि की सामान्य विशेषताएँ

(5) हिंदी, उर्दू, हिन्दुस्तानी – गांधीजी के विचार

(6) हिंदी पर फारसी-उर्दू का प्रभाव

साहित्य समीक्षा : (६० अंक)

(1) काव्य की परिभाषा, तत्त्व और प्रमुख भेद

(2) साहित्य की मूल प्रेरणाएँ और प्रयोजन

(3) रस,विभाव और भाव, रसों का सामान्य परिचय

(4) शब्दशक्ति, विवेचन का सामान्य परिचय

(5) साहित्य की अन्य विधाओं का परिचय –

उपन्यास, कहानी, नाटक, एकांकी, निबंध, रेखाचित्र

(6) आलोचना का अर्थ, प्रकार और उद्देश

प्र.पत्र. 4 हिंदी साहित्य का इतिहास

हिंदी साहित्य के भक्तिकाल और उर्दू साहित्य के अर्वाचीन काल की मुख्य प्रवृत्तियों, मुख्य साहित्यकारों और कृतियों का सामान्य परिचय

अंक विभाजन : हिंदी (60) उर्दू (40) कुल =100

प्र.पत्र. 5 व्याकरण, भाषातंर, रचना (निबंध,पत्र,सार) और विशेष वाचन

1. संक्षिप्त हिंदी व्याकरण–कामताप्रसाद गुरु–नागरी प्रचारिणी सभा, काशी

2. हिंदी रुपरचना भा.1 और 2 जयेन्द्र त्रिवेदी

– लोकभारती प्रकाशन प्रा.लि.१५ ए महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद

3. जडमूल से क्रांति–किशोरलाल मशरूवाला

- नवजीवन प्रकाशन मंदिर, अहमदाबाद-३८०००९

प्र.पत्र. 6 • प्रादेशिक भाषा– गुजराती बृहद् गुजराती काव्य परिचय भाग-1

नवजीवन प्रकाशन मंदिर, अहमदाबाद-३८०००९

३ नरसिंह, ८ मीरां, १३ अखो, १४ प्रेमानंद, १८ राजे, २० शामळ, २८ निष्कुलानंद, ३२ दयाराम, ३७ क.द.डा, ४२ नर्मद, ४४ नरसिंहराव, ४५ कलापी, ४६ कान्त, ४९ न्हानालाल, ५४ ब.क.ठा, ६१ स्नेहरश्मि, ६८ मेघाणी, ७१ सुन्दम्, ७२ उमाशंकर, ७५ हरीशचन्द्र भट्ट, ७९ प्रहलाद पारेख, ८१ राजेन्द्र शाह, ९० मकरंद दवे, ९२ निरंजन भगत, ९५ बालमुकुन्द दवे, ९६ जयंत पाठक, ९७ उशनस् , १०१ सुरेश जोषी, १०२ प्रियकान्त मणियार, १०४ हसमुख पाठक, १०५ नलिन रावल, १०६ हरीन्द्र दवे, १०९ सुरेश दलाल, ११२ लाभशंकर ठाकर, ११३ रावजी पटेल, ११९ चंद्रकान्त शेठ १२० आदिल मन्सूरी, १२२ राजेन्द्र शुक्ल

• बृहद् गुजराती गद्य परिचय भाग-१

नवजीवन प्रकाशन मंदिर, अहमदाबाद-३८०००९

३ नर्मद, ८ गो.मा.त्रिपाठी, १२क.मा. मुन्शी, १४ गांधीजी १५ कालेलकर २१ द्विरेफ २४ डॉलरराय मांकड, २५ सुंदरम्, २६ उमाशंकर जोशी, २७ ज्योतीन्द्र दवे, २८ विष्णुप्रसाद त्रिवेदी, ३० पन्नालाल पटेल, ३१ दर्शक, ३८ सुरेश जोषी, ४१ जयंत खत्री, ४३ फाधर वालेस, ५१ मधुराय, ५४ शांतिभाई आचार्य

• गुजराती साहित्य की विकासरेखा : आधुनिक काल

मौखिक : भाषण के विषय परीक्षा के समय दिये जाएँगे। उस पर कम से कम पाँच मिनट तक बोलना होगा। कविता मुख्पाठ और गद्यखण्ड

मुखपाठ के लिए पाठ्यपुस्तकों से अपनी पसंद की क्रमश: ५० और २५ पंक्तियाँ कण्ठस्थ करनी होंगी।

ગાંધીવિચાર પરીક્ષાઓના પાઠ્યપુસ્તકો

૧. ગાંધીવિચાર ઝાંખી : ગાંધીજી – જુગતરામ દવે

૨. ગાંધીવિચાર સ્મૃતિ : સંક્ષિપ્ત બાપુની ઝાંખી – કાકાસાહેબ કાલેલકર

૩. ગાંધીવિચાર પ્રવેશ : મારી જીવનકથા – મો.ક.ગાંધી

૪. ગાંધીવિચાર પરિચય : ગાંધી-ગંગા – મહેન્દ્ર મેઘાણી

૫. ગાંધીવિચાર ચિંતન : સંક્ષિપ્ત આત્મકથા – મો.ક.ગાંધી – સંક્ષેપકાર- ભારતન કુમારપ્પા

૬. ગાંધીવિચાર મનન : ૧. અહિંસાનો પહેલો પ્રયોગ – મો.ક.ગાંધી
૨. ગાંધીજીના સમકાલીનો – દશરથલાલ શાહ

૭. ગાંધીવિચાર મીમાસાં : ૧. હિંદ સ્વરાજ – ગાંધીજી
૨. હિંદ સ્વરાજ એક અધ્યયન – કાંતિ શાહ

ગુજરાતી પરીક્ષાઓના પાઠ્યપુસ્તકો :

૧. ગુજરાતી બાલપોથી : વિદ્યાપીઠ વાચનમાળા ચાલણગાડી

૨. ગુજરાતી પ્રાથમિક : ૧. કલરવ - (ગુજરાતી પર્યાવરણ-ધોરણ-૧)
૨. કલ્લોલ - (ગુજરાતી પર્યાવરણ (પ્રથમ ભાષા) ધોરણ-૨)

૩. ગુજરાતી સુબોધ : ૧. કલશોર- (ગુજરાતી-પ્રથમ ભાષા-ધોરણ-૩)
૨. કુહૂ- (ગુજરાતી-પ્રથમ ભાષા-ધોરણ-૪)
૩. ગાંધીબાપુ– (ફૂદસિયા જૈદીના गांधीबाबा નો અનુવાદ)- જિતેન્દ્ર દેસાઈ

૪. ગુજરાતી પ્રબોધ : ૧. વિદ્યાપીઠ વાચનમાળા – છઠ્ઠી ચોપડી
૨. વિદ્યાપીઠ વાચનમાળા – સાતમી ચોપડી
૩. કેકારવ - (ગુજરાતી-પ્રથમ ભાષા-ધોરણ-૫)

૫. ગુજરાતી વિનય : ૧. વિનય વાચનમાળા – (પુસ્તક પહેલું)
૨. વિનય વાચનમાળા – (પુસ્તક બીજું)
૩.સરસ્વતીચંદ્ર – (ટૂંકી સરળ વાર્તારૂપે)

ડૉ. હર્ષદ પટેલ
કુલપતિ, ગૂજરાત વિદ્યાપીઠ

ડૉ. દેવર્ષિ મોદી
નિયામક, ગૂ. હિં. હિં. પ્ર. સમિતિ
Mobile: 079-40016377 | Email: hindibhavan@gujaratvidyapith.org